Ashish Kumar. Thakur.
B.A.II History (H), Paper-IV
Dr. L.K.V.D. College, Tajpur
Samastipur.

ताईपिंग विद्रोह [1851-64 ई०]
[Taiping Revolt]

चीन के इतिहास में ताइपिंग विद्रोह की घटना अत्यंत महत्वपूर्ण है। मंचू शासन की जड़ों को हिलाकर रख देने वाले इस विद्रोह के निम्नलिखित कारण थे।

(1) चीनियों की यह धारणा थी कि तिएन (स्वर्ग) सम्राट (वांग) को अपना मिंग (आज्ञा-पत्र) देकर पृथ्वी पर भेजता है और इसका ना पालन करने वाले को हटा दिया जाना उचित है। उनकी धारणा थी कि तिएन के मिंग वापस लेने का सूचक दुर्भिक्ष, अतिवृष्टि आदि प्राकृतिक प्रकोप होते हैं जो चीन में विद्यमान हैं।

[2]. मंचू शासक अपनी अयोग्यता और दुर्बलता के कारण ना तो विदेशियों के शोषण करने से रोक पा रहे थे और न ही देश की आंतरिक आर्थिक व्यवस्थाओं को सुधार पा रहे थे।

[3] कम वेतन, प्रशिक्षण आदि के अभाव में सेना में असंतोष था।

[4] युद्ध तथा क्षतिपूर्ति के प्रश्नों ने चीन का खजाना खाली कर दिया था और इसकी पूर्ति के लिए, जब कृषकों पर कर लगाये, तब स्थिति और खराब हुई। कृषक अपनी जमीन बेचने पर मजबूर हुए।

[5] मंचू शासकों के पश्चात साम्राज्यवादियों के विरुद्ध असफलता और अयोग्यता ने चीनी राष्ट्रवादियों को मंचू शासन का अंत करने को प्रेरित करें।

[6] चीनीयों ने प्राचीन गौरव की पुनर्स्थापना के लिये गुप्त समितियों की स्थापना की।

[7] 1849 ई० का क्वांगतुंग में घोर दुर्भिक्ष का पड़ना ताइपिंग विद्रोह का तात्कालिक कारण बना।

विद्रोह और उसका दमन :— ताइपिंग विद्रोह हुंग-सियू-चुआन के नेतृत्व में हुआ, Nov 1850 से Feb 1851 ई० तक चुआन की सेनाओं ने मंचू सेनाओं को पराजित किया। उसने घोषणा की कि तिएन (स्वर्ग, ईश्वर) ने उसे मंचूओं के विनाश एवं ताइपिंग (महान शक्ति) की स्थापना के लिए पृथ्वी पर भेजा है।

Ashish

Scanned with CamScanner

उसने मंचू सेनाओं को परास्त करने के बाद ताइपिंग-तिएन-तुओ (महान शान्तियों का दैवीय साम्राज्य) की घोषणा की एवं वह स्वयं इसका तिएंग वांग (ईश्वरीय सम्राट) बना। नानकिंग का नाम उसने तियंग चिंग (ईश्वरीय राजधानी) कर दिया।

ताइपिंग सेनायें तीत्सिन तक पहुँच गई। विद्रोही सेनाओं की सफलता असाधारण थी किन्तु शीघ्र ही विदेशियों के बल पर मंचू शासन ने ताइपिंग के विस्तार को रोका, फिर भी दक्षिणी चीन पर ताइपिंग सरकार का अधिकार बना रहा।

द्वितीय अफीम युद्ध के बाद विदेशी शक्तियों ने पुनः मंचू शासक की मदद की। परिणाम स्वरूप 1864 ई० तक ताइपिंग सत्ता समाप्त हो गई।

1853 ई० से 1864 ई० तक ताइपिंग सरकार ने आर्थिक एवं सामाजिक क्षेत्र में अनेक सुधार कार्य किये।

ताइपिंग विद्रोह के असफलता के कारण :-

(i) चिनाके के अनुसार आंदोलन के रचनात्मक नेतृत्व का सृजन नहीं किया था।

(ii) आंदोलनकारियों में मतभेद पैदा हो गया था।

(iii) प्रारम्भिक सफलता के बाद आंदोलनकारियों नें ताइपिंग सिद्धान्त की अवहेलना की।

(iv) जनता ने हिंसा और आतंक से परेशान होकर मंचू शासन को समर्थन किया।

अन्ततोगत्वा हम कह सकते हैं कि ताइपिंग विद्रोह ने 1911 ई० की चीनी क्रांति का मार्ग प्रशस्त किया।

Ashish

Scanned with CamScanner